



INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY
Gwalior, MP

पेपर-I

इतिहास लेखन की अवधारणा तथा आधुनिक विचारधारायें



bfrgkl ysq ku dh
vo/kkj .kk rFkk
vk/kfud fopkj /kkj k, a

Paper I



SCHOOL OF STUDIES IN DISTANCE EDUCATION

JIWAJI UNIVERSITY

Gwalior, MP

INDIA

Syllabus

ब्रिटीश इतिहास का अर्थ और विकास।

इतिहास की अवधारणा, क्षेत्र एवं स्वरूप, इतिहास का अन्य विषयों से सम्बन्ध, इतिहास विज्ञान है अथवा कला, इतिहास में कारण एवं इतिहास में पूर्वाग्रह।
इतिहास लेखन की आधुनिक विचारधाराएँ, धार्मिक एवं पूर्वदेशीय, साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी एवं उपाश्रयी शाखा।
प्राचीन भारत के इतिहास लेखन, इतिहास लेखन की दृष्टि से वेद, उपनिषद एवं पुराण। बी.ए. स्मिथ, आर.जी. भण्डारकर, राधाकुमुद मुखर्जी एवं आर.सी. मजूमदार का प्राचीन भारत के इतिहास लेखन में योगदान।
मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन, जियाउद्दीन वरनी, इबनवतूता, अबुल फजल एवं बदायूनी, जी.एस. सरदेसाई, ए.एल. श्रीवास्तव, एन. सरकार, के.ए. निजामी, के.एस. लाल।
आधुनिक भारत में इतिहास लेखन – कनिंघम, जे.एस. मिल, एस. एन. कानून, बी.डी. सावरकर, बी.डी. ए.आर. देसाई, बी.एल. ग्रोबर।

Contents

ब्रिटीश इतिहास का विकास

ब्रिटीश इतिहास	अध्याय 1 : इतिहास की अवधारणा अध्याय 2 : क्षेत्र एवं स्वरूप अध्याय 3 : इतिहास का अन्य विषयों से सम्बन्ध अध्याय 4 : इतिहास विज्ञान है अथवा कला अध्याय 5 : इतिहास में कारण एवं इतिहास में पूर्वागृह
ब्रिटीश इतिहास	अध्याय 6 : इतिहास लेखन की आधुनिक विचारधाराएँ अध्याय 7 : धार्मिक एवं पूर्वदेशीय अध्याय 8 : साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी एवं उपाश्रयी शाखा
ब्रिटीश इतिहास	अध्याय 9 : प्राचीन भारत के इतिहास लेखन अध्याय 10 : इतिहास लेखन की दृष्टि से वेद अध्याय 11 : उपनिषद एवं पुराण अध्याय 12 : प्राचीन भारत के इतिहास लेखन में योगदान।
ब्रिटीश इतिहास	अध्याय 13 : मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन
ब्रिटीश इतिहास	अध्याय 14 : आधुनिक भारत में इतिहास लेखन



Jiwaji University, Gwalior

(Established in 1964)

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (स्थापना वर्ष 1964)

NAAC Accredited 'A' Grade University